an>

Title: Regarding statement of the Home Ministry about locating a wanted terrorist.

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदया, दाऊद इब्राहिम एक ऐसा शख्स है जो दुनिया के मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल है, जिसने वर्ष 1993 के मुंबई ब्लास्ट में मास्टर माइंड का रोल अदा कर 300 निर्दोष लोगों की हत्या करा दी थी। विश्व में हम आतंकवादियों के बारे में जो डोजिअर देते हैं उसमें भी उस व्यक्ति का नाम है। इंटरपोल और यूनाइटेड नेशन्स का स्पेशल नोटिस उसके विरुद्ध आज भी जारी है। तत्कालीन गृह मंत्री चिदम्बरम जी ने स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत को न केवल यह पता है कि वह पाकिस्तान में है बल्कि उसके आवास के बारे में भी पता है। इस सबके बावजूद बहुत आश्चर्यजनक रूप से गृह राज्य मंत्री हरिभाई चौधरी द्वारा संसद में एक प्रश्न के जवाब में लिखित वक्तव्य आया कि वह शख्स कहां है इसका कुछ पता नहीं है और उसके प्रत्यर्पण के बारे में तभी सोचा जाएगा जब हमें मालूम होगा कि वह कहां? ...(व्यवधान) इस संवेदनशील मुद्दे पर भारत सरकार के मंत्री द्वारा अप्रत्याशित वक्तव्य दिया गया, उसके आधार पर आज पाकिस्तान हमें आंख दिखाने की हिम्मत कर रहा है। ...(व्यवधान) पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने स्वयं कहा है कि इस्लामाबाद का कथन कि दाऊद पाकिस्तान में नहीं है, गृह राज्य मंत्री के वक्तव्य से उसकी बात की पुष्टि होती है। अंतर्राष्ट्रीय जगत को जो डोजिअर हमने दिए हैं, उसे पाकिस्तान के उच्चायुक्त सेल्फ सर्विंग डोजिअर बता रहे हैं क्योंकि भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री स्वयं कह रहे हैं कि दाऊद कहां रह रहा है उन्हें मालूम नहीं। इससे ज्यादा निंदाजनक बयान नहीं हो सकता, जिसके आधार पर आद अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात पूरी हो गयी है। जीरो ऑवर में इतना ही काफी है।

â€¦(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया: अध्यक्ष महोदया, प्रधान मंत्री जी ने स्वयं 27 अप्रैल, 2014 को कहा था कि जिस तरीके से अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को ट्रीट किया है, उसी तरह से भारत दाऊद को पाकिस्तान से यहां लेकर आयेगा। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सरकार से चार प्रश्न पूछना चाहता हूं। पहला प्रश्न यह है कि अगर यह यू-टर्न नहीं है, तो क्या है? प्रधान मंत्री जी कुछ कहते हैं और भारत सरकार के मंत्री कुछ और कहते हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सिंधिया जी, आप अपनी बात जल्दी समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया: मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि उच्चायुक्त ने कहा है कि भारत ने कभी भी इनके प्रत्यार्पण के लिए लिखित रूप में मांग नहीं रखी। मैं गृह मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या यह सत्य है? तीसरा प्रश्न यह है कि यह सरकार अपने मंत्रियों पर काबू कब पायेगी? जहां एक तरफ साध्वी निरंजन ज्योति जी साम्प्रदायिक सद्भाव को चूर-चूर करती हैं, वहीं दूसरी तरफ वी.के. सिंह जी प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रश्न करते हैं। ...(व्यवधान) गिरिराज सिंह जी, महिलाओं पर टिप्पणी करते हैं और हरि भाई चौधरी जी भारत की विश्वसनीयता पर...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात पूरी हो गयी है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Mr. Minister, do you want to reply?

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : वीरेन्द्र जी, आपको आज क्या हो गया है? मंत्री जी अगर बोलना चाहते हैं, तो बोलें। यह क्या हो रहा है?

â€¦(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह (भदोही) : अध्यक्ष महोदया, मंत्री जी इनका उत्तर क्यों दे रहे हैं? जीरो ऑवर में जो भी बोलेगा, मंत्री जी क्या उन सबका उत्तर देंगे? ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am not forcing him. If he wants, he can reply.

...(*Interruptions*)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, जब कोई नवयुवक बोलता है, तो मैं जरूर उसका ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record except what Mr. Minister says.

...(*Interruptions*)â€¦ *

श्री राजनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदया, ज्योतिरादित्य जी ने जो संबंधित मुद्दा उठाया है, उस संबंध में मैं इस समय सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि इसी प्रकार का प्रश्न 7 मई, 2013 को भी उठाया गया था। जो उत्तर इस समय, यानी 5 मई, 2015 को हमारे राज्य मंत्री श्री हरिभाई चौधरी ने दिया था, वे दोनों उत्तर एक हैं। लेकिन मैं चाहूंगा कि इसमें स्थिति और स्पष्ट कर देनी चाहिए। उस समय हम लोगों ने आलोचना नहीं की थी। हम लोगों ने उस उत्तर को समझा था, लेकिन विडंबना यह है कि वही उत्तर, जो 7 मई, 2013 को दिया गया था, वह 5 मई, 2015 को राज्य सभा में दिया गया, लेकिन उसके अर्थ को यह समझ नहीं पाये। इस संबंध में एक डिटेल्ड ...(व्यवधान) आप सुनिये। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वास्तव में जीरो ऑवर में उत्तर नहीं मिलता, लेकिन मैं आपको दिलवा रही हूं। उसके बावजूद भी टोका-टाकी हो रही है। आप ऐसा मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : इस संबंध में, मैं आपकी इजाजत से सोमवार को एक डिटेल्ड स्टेटमैंट देना चाहूंगा।

â€¦(व्यवधान)